टी20 238 रन बनाकर भारत ने न्यूजीलैंड पर डाला दबाव

इंदौर, 21 जनवरी. भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेले जा रहे पांच मैचों की टी20 सीरीज के पहले मुकाबले में भारतीय टीम ने दमदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट पर 238 रन बनाए. जवाब में न्यूजीलैंड की शुरुआत बेहद खराब रही और तीन ओवर में ही उसके दो विकेट गिर गए.

शुरुआती झटकों के कारण कीवी टीम लक्ष्य से काफी पीछे नजर आई. भारतीय गेंदबाजों ने सटीक लाइन और लेंथ के साथ दबाव बनाते हुए मैच पर मजबूत पकड़ बना ली.

भारत की बल्लेबाजी ने दिखाया दम

भारतीय टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए आक्रामक रुख अपनाया. ओपनिंग जोड़ी ने टीम को संतुलित शुरुआत दिलाई और मध्यक्रम के बल्लेबाजों ने इस आधार को बड़े स्कोर में तब्दील किया. रन गति लगातार बनी रही और भारतीय बल्लेबाजों ने मैदान के चारों ओर आकर्षक शॉट लगाए. पावरप्ले के बाद भी भारतीय बल्लेबाजों ने न्यूजीलैंड के गेंदबाजों को कोई राहत नहीं दी. बीच के ओवरों में सिंगल-डबल के साथ बाउंड्री भी निकलती रहीं. अंतिम ओवरों में तेज बल्लेबाजी ने स्कोर को 238 तक पहुंचा दिया, जो टी20 क्रिकेट में एक बेहद मजबूत स्कोर माना जाता है. भारतीय पारी में संयम और आक्रमण का संतुलन साफ नजर आया, जिसने दर्शकों को रोमांचित कर दिया.

238 रन के विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड की टीम शुरुआत से ही दबाव में नजर आई. भारतीय गेंदबाजों ने नई गेंद से शानदार स्विंग और नियंत्रण दिखाया. महज तीन ओवर के भीतर न्यूजीलैंड के दो बल्लेबाज पवेलियन लौट गए. तीन ओवर में न्यूजीलैंड का स्कोर 17 रन पर दो विकेट हो गया, जिससे टीम को बड़ा झटका लगा. रन रेट तेजी से बढ़ता गया और बल्लेबाजों पर अतिरिक्त दबाव बनता चला गया.

भारतीय गेंदबाजों का अनुशासित प्रदर्शन

भारतीय गेंदबाजों ने मैच में शानदार अनुशासन दिखाया. अर्शदीप सिंह ने दो ओवर में मात्र 13 रन देकर एक विकेट हासिल किया. वहीं हार्दिक पांड्या ने अपने एक ओवर में केवल चार रन देकर एक विकेट लिया और न्यूजीलैंड की रन गति को पूरी तरह रोक दिया. गेंदबाजों की लाइन-लेंथ इतनी सटीक थी कि कीवी बल्लेबाज खुलकर शॉट नहीं खेल पाए. फील्डिंग भी मजबूत रही, जिससे रन चुराने के मौके कम मिले. भारतीय टीम ने यह साफ कर दिया कि वह इस सीरीज की शुरुआत जीत के साथ करना चाहती है और किसी भी हाल में दबाव कम नहीं होने देगी.

एम्बाप्पे के दो गोल से रियल मैड्रिड का जलवा

मोनाको को 6-1 से रौंदायूकी भांबरी-आंद्रे गोरान्सन की जोड़ी दूसरे दौर में

मेलबर्न, 21 जनवरी. भारत के यूकी भांबरी और उनके स्वीडिश साझीदार आंद्रे गोरान्सन ने बुधवार को स्थानीय वाइल्ड कार्ड जेम्स डकवर्थ और क्रूज हेविट की जोड़ी को हराकर ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 पुरुष युगल स्पर्धा के दूसरे राउंड में जगह बना ली है.

आज यहां खेले गये मुकाबले में भारत के टॉप रैंक वाले पुरुष युगल टेनिस खिलाड़ी, दुनिया के नंबर 21 यूकी भांबरी और आंद्रे गोरान्सन की जोड़ी ने सिर्फ 57 मिनट में जेम्स डकवर्थ और क्रूज हेविट पर 6-3, 6-4 से जीत दर्ज की. साल के पहले ग्रैंड स्लैम में 10वीं सीड वाली इस इंडो-स्वीडिश जोड़ी ने पूरे मैच में अपना दबदबा बनाए रखा और उनकी सर्विस लगभग परफेक्ट थीं. पहले सेट में, उन्होंने अपने पांच सर्विस गेम में से चार लव पर जीते, सिर्फ नौवें गेम में एक पॉइंट गंवाया. पूर्व वर्ल्ड नंबर 1 और कई ग्रैंड स्लैम विजेता लेटन हेविट के बेटे जेम्स डकवर्थ और क्रूज हेविट के खिलाफ आठवें गेम में मिला ब्रेक सेट जीतने के लिए काफी थी.

हार्दिक के बिना टीम इंडिया अधूरी : आकाश

नयी दिल्ली, 21 जनवरी. आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप भारत और श्रीलंका 2026 से पहले अपनी आखिरी टी20 सीरीज़ के लिए भारत तैयार है, जिसमें वह पांच मैचों की टी20 सीरीज में न्यूज़ीलैंड का सामना कर रहा है, जबकि टीम कॉम्बिनेशन को लेकर कई दुविधाएं हैं.

जियोहॉटस्टार के 'गेम प्लान' पर बात करते हुए, जियो स्टार एक्सपर्ट आकाश चोपड़ा ने पूरी मजबूत न्यूज़ीलैंड टीम के खिलाफ सीरीज के महत्व, हार्दिक पांड्या की जगह न ले पाने वाली ऑलराउंडर भूमिका, और स्काई (सूर्यकुमार यादव) को शुरुआत में सीधे खेलने की जरूरत पर ज़ोर दिया. भारतीय टीम में हार्दिक पांड्या की बेजोड़ और अहम भूमिका के बारे में चोपड़ा ने कहा, हार्दिक पांड्या के बिना टीम इंडिया अधूरी है. पूरी दुनिया में सिर्फ़ एक ही हार्दिक है. वह बल्ले और गेंद से जो देते हैं, वह भारत में कोई और नहीं कर सकता.

आप प्लेइंग इलेवन में वरुण चक्रवर्ती या कुलदीप यादव जैसे स्पिनर को रखना चाह सकते हैं, लेकिन फिर आपको नंबर आठ पर एक बैटर की भी जरूरत होगी. आप सब कुछ नहीं रख सकते, आप बारह खिलाड़ी नहीं खिला सकते. सिर्फ़ हार्दिक ही आपके लिए यह कर सकते हैं. वह नई गेंद से बॉलिंग कर सकते हैं और असर डाल सकते हैं, और वह डेथ ओवरों में भी बॉलिंग करते हैं. उन्होंने 2024 टी20 वर्ल्ड कप का आखिरी ओवर भी किया था जो भारत ने जीता था. सिर्फ़ हार्दिक ही ऐसे काम कर सकते हैं. आपको उनके जैसा कोई और नहीं मिलेगा.

एक नजर में

टी 20 वर्ल्ड कप ट्रॉफी टूर हार्दिक पांड्या, ईशान किशन और संजू सैमसन के पुराने स्कूलों में पहुंचा

नयी दिल्ली. आईसीसी मेन्स टी20 वर्ल्ड कप क्लास ऑफ़ 26 सीरीज के तहत हार्दिक पांड्या, ईशान किशन और संजू सैमसन के पुराने शिक्षण संस्थानों में पहुंचा। यह सीरीज मौजूदा वर्ल्ड कप टीम के सदस्यों के शुरुआती सफर का जश्न मनाती है और डीपी वर्ल्ड के साथ टी20 वर्ल्ड कप 2026 ट्रॉफी टूर के दौरान देश भर में अगली पीढ़ी को प्रेरित करने का लक्ष्य रखती है. क्लास ऑफ़ 26 का लक्ष्य है कि भारतीय क्रिकेट टीम के हर सदस्य के पुराने स्कूलों में प्रतिष्ठित ट्रॉफी को वापस ले जाया जाए, क्योंकि वे अपनी धरती पर टी20 वर्ल्ड कप का खिताब बरकरार रखकर इतिहास रचने की कोशिश कर रहे हैं. इस प्रयास का मकसद ट्रॉफी को उन संस्थानों तक ले जाना है जहां इन स्टार खिलाड़ियों के सपने पहली बार जागे, प्रतिभा पहली बार पहचानी गई और विश्वास पहली बार बना.

लिजेल ली पर मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना

वडोदरा. दिल्ली कैपिटल्स की लिज़ेल ली पर मंगलवार को वडोदरा के बीसीए स्टेडियम में मुंबई इंडियंस के खिलाफ अपनी टीम के मैच के दौरान डब्ल्यूपीएल आचार संहिता का उल्लंघन करने के लिए मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है और 1 डिमेरिट पॉइंट दिया गया है. लिज़ेल ली ने आर्टिकल 2.2 के तहत लेवल 1 के अपराध को स्वीकार किया, जो मैच के दौरान क्रिकेट उपकरणों के दुरुपयोग से संबंधित है. आचार संहिता के लेवल 1 के उल्लंघन के लिए, मैच रेफरी का फैसला अंतिम और बाध्यकारी होता है.

सैम बने बीबीएल प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट

मेलबर्न. मेलबर्न स्टार्स के विकेटकीपर-बल्लेबाज सैम हार्पर को टॉप ऑर्डर में शानदार प्रदर्शन के बाद बीबीएल में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुना गया है. 29 वर्षीय हार्पर, जिन्होंने इस सीजन में अपना 100वां बीबीएल मैच खेला, ने लीग में अपने नौवें सीजन में करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया. होम और अवे सीजन में उन्होंने 61.83 की औसत से 371 रन बनाए, जिसमें 155.23 का स्ट्राइक रेट था, जिसमें एससीजी में सिडनी सिक्सर्स के खिलाफ अपना पहला बीबीएल शतक और दो अन्य अर्धशतक शामिल हैं.

पूर्व स्पिनर नॉर्मन गिफोर्ड का निधन

लंदन. इंग्लैंड, वोरसेस्टरशायर और वार्विकशायर के पूर्व बाएं हाथ के स्पिनर नॉर्मन गिफोर्ड का लंबी बीमारी के बाद 85 साल की उम्र में निधन हो गया है. गिफोर्ड वोरसेस्टरशायर की 1964 और 1965 की काउंटी चैम्पियनशिप जीतने वाली टीमों के प्रमुख सदस्य थे, और 1974 में क्लब को खिताब दिलाया, साथ ही 1971 में उनकी तीन संडे लीग जीत में से पहली जीत भी दिलाई. उन्होंने 1960 से 1982 के बीच 22 साल तक क्लब के लिए खेला, इस दौरान उन्होंने 1,615 फर्स्ट-क्लास विकेट लिए. उन्हें 1975 में विजडन क्रिकेटर ऑफ द ईयर चुना गया, और क्रिकेट में उनकी सेवाओं के लिए 1978 में एमबीई से सम्मानित किया गया. उनके टेस्ट करियर में 1964 से 1973 के बीच 15 टेस्ट शामिल थे, जिसमें उन्होंने 31.09 की औसत से 33 विकेट लिए, जिसमें कराची में पाकिस्तान के खिलाफ 55 रन देकर 5 विकेट उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था.

नंबर तीन पर खेलना चाहती थी जेमिमा रॉड्रिग्स

वडोदरा, 21 जनवरी. दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) की कप्तान जेमिमा रॉड्रिग्स के लिए मुंबई इंडियंस (एमआई) के ख़िलाफ मिली जीत महज दो अंक नहीं, बल्कि राहत की एक बड़ी सांस लेकर आई है.

इस सीजन कप्तानी और बल्लेबाज़ी, दोनों ही मोर्चों पर संघर्ष कर रहीं जेमिमा ने न केवल अपनी टीम कोह्व जीत की पटरी पर लौटाया, बल्कि खुद भी नाबाद 51 रनों की कप्तानी पारी खेलकर प्लेयर ऑफ द मैच भी रहीं. डीसी जब अपनी सीजन की शुरुआत कर रही थी, तब बल्लेबाज़ी क्रम को लेकर तीन बड़े सवाल थे. शेफ़ाली वर्मा के साथ ओपन कौन करेगा? क्या जेमिमानंबर तीन पर बल्लेबाज़ी करेंगी? लिज़ेल ली और लौरा वुलफ़ॉर्ट किस पोज़ीशन पर बल्लेबाज़ी करेंगी?

एमआई के ख़िलाफ़ मिली जीत के बाद प्रेस कांफ्रेंस के दौरान जेमिमा ने खुलासा किया कि वे निजी तौर पर नंबर तीन पर खेलना चाहती थीं, लेकिन टीम की जरूरत के आगे उन्होंने अपना मन बदल लिया. उन्होंने कहा, सच कहूं तो मैं नंबर तीन पर बल्लेबाज़ी करना चाहती थी, लेकिन कप्तान के तौर पर मैं सिर्फ़ अपने बारे में नहीं सोच सकती. मुझे टीम को पहले

पंजाब ने मुंबई को हराया

नोएडा, 21 जनवरी. पंजाब रॉयल्स ने 3-1 से पिछड़ने के बाद जबरदस्त वापसी करते हुए मंगलवार रात को नोएडा इंडोर स्टेडियम में खेले गए प्रो रेसलिंग लीग 2026 के दिन 6 के मुकाबले में टाइगर्स ऑफ मुंबई दंगल्स को 6-3 से पराजित किया. मुकाबले का टर्निंग पॉइंट महिलाओं के 57 किग्रा वर्ग में आया, जहां रजनीता जांगड़ा ने फॉल के जरिए स्कोर बराबर किया, इसके बाद 74 किग्रा पुरुष वर्ग में चंद्रमोहन ने पंजाब को बढ़त दिलाई. मीनाक्षी ने टेक्निकल सुपीरियरिटी से जीत दर्ज कर मुकाबले पर मुहर लगाई, जिससे पंजाब ने लगातार पांच मुकाबले जीतकर शानदार वापसी पूरी की. पंजाब रॉयल्स की सभी चार महिला पहलवानों ने अपने-अपने मुकाबले जीते. एना गोडिनेज़ ने फॉल से जीत दर्ज की, जबकि प्रिया मलिक ने अंकों के आधार पर क्लीन स्वीप किया. एना गोडिनेज को 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया, वहीं रोहित रहल को 'फाइटर ऑफ द मैच' का पुरस्कार मिला.

ऑस्ट्रेलियन ओपन के तीसरे दौर में अल्काराज

मेलबर्न, 21 जनवरी. दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज, महिलाओं में नंबर एक आर्यना सबालेंका और अमेरिकी स्टार कोको गॉफ ने सीधे सेटों में जीत हासिल कर ऑस्ट्रेलियन ओपन के तीसरे दौर में जगह बना ली है.

कार्लोस अल्काराज ने यानिक हैन्फमैन की कड़ी चुनौती को पार करते हुए सीधे सेटों में 7-6 (7-4), 6-3, 6-2 से जीत हासिल की. दुनिया के नंबर एक और टॉप सीडेड स्पेनिश खिलाड़ी को 34 साल के जर्मन खिलाड़ी, जो 102वीं रैंक पर हैं, के खिलाफ रैंकिंग के मुकाबले कहीं ज़्यादा मुश्किल का सामना करना पड़ा. यह मुकाबला काफी प्रतिस्पर्धी रहा, खासकर पहले सेट में. हैन्फमैन ने तुरंत दबाव बनाया, अपने पावरफुल फोरआर्म शॉट्स और शानदार ड्रॉप शॉट्स का इस्तेमाल करके अल्काराज को डिफेंसिव रखा. पहला सेट 78 मिनट की लंबी बेसलाइन रैलियों के बाद टाईब्रेक तक गया,

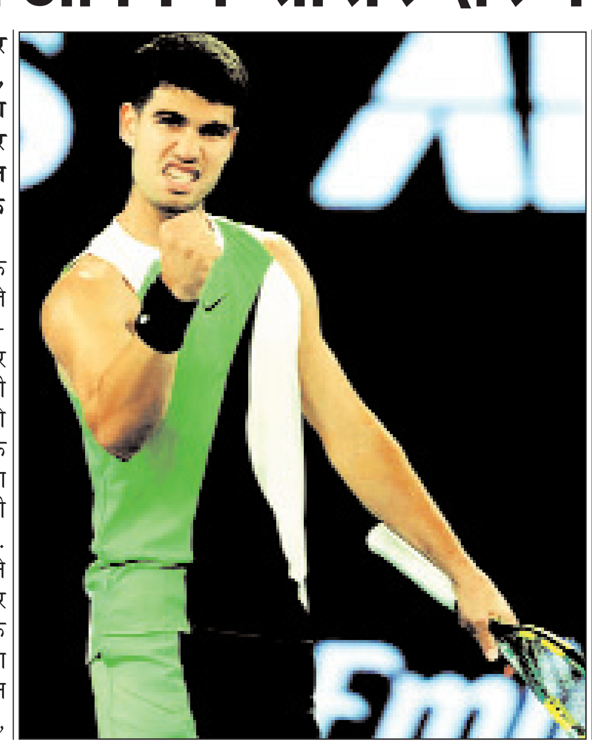

अमेरिकी स्टार कोको गॉफ ने ऑस्ट्रेलियन ओपन में जगह बनाई

जिसमें अल्काराज आखिरकार 7-4 से जीत गए. जैसे-जैसे मैच आगे बढ़ा, जर्मन खिलाड़ी की पसली की चोट का असर दिखने लगा, जिससे उनकी मूवमेंट और शॉट लगाने की क्षमता सीमित हो गई. अल्काराज ने इस मौके का फायदा उठाया, रणनीतिक समझदारी और धैर्य दिखाया. दूसरे सेट में, उन्होंने अहम पलों पर हैन्फमैन की सर्विस तोड़ी, और आखिरकार कई शानदार फोरआर्म विनर्स और सटीक बैकहैंड प्लेसमेंट के साथ सेट 6-3 से जीत लिया. तीसरे सेट में, अल्काराज ने अपना दबदबा बनाए रखा, फिर से सर्विस तोड़कर मैच के लिए सर्व किया और 6-2 से मैच खत्म कर दिया.

सफलता भारत में ऐतिहासिक सीरीज जीत के नायक मिशेल ने आईसीसी रैंकिंग में 845 अंकों के साथ शीर्ष स्थान किया हासिल

विराट को पछाड़ मिशेल बने वनडे के नए नंबर-1 बल्लेबाज

02 नंबर पर अब विराट कोहली

दुबई, 21 जनवरी. भारत दौरे पर न्यूजीलैंड की ऐतिहासिक सफलता में डेरिल मिशेल की भूमिका निर्णायक रही. तीन मैचों की इस द्विपक्षीय वनडे सीरीज में मिशेल ने न सिर्फ सबसे ज्यादा रन बनाए, बल्कि अपने खेल से यह साबित कर दिया कि वह मौजूदा दौर के सबसे भरोसेमंद और प्रभावशाली बल्लेबाजों में शामिल हैं.

भारत की सरजमीं पर न्यूजीलैंड की यह पहली द्विपक्षीय वनडे सीरीज जीत थी, जिसने क्रिकेट इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ा. आईसीसी की ताजा रैंकिंग के मुताबिक मिशेल ने इस सीरीज में अपने शानदार प्रदर्शन के दम पर 845 रेटिंग अंक हासिल किए. इसके साथ ही उन्होंने लंबे समय से शीर्ष स्थान पर बने विराट कोहली को पीछे छोड़ दिया. कोहली अब 795 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर हैं.

यह दूसरी बार है जब डेरिल मिशेल वनडे क्रिकेट में नंबर वन बल्लेबाज बने हैं. इससे पहले भी वह पिछले साल के अंत में कुछ समय के लिए शीर्ष स्थान पर पहुंचे थे. 34 वर्षीय मिशेल ने इस सीरीज में कुल 352 रन बनाए, जिसमें दो शानदार शतक शामिल थे.

उनका औसत और स्ट्राइक रेट दोनों ही प्रभावशाली रहे. खास बात यह रही कि उन्होंने दबाव के क्षणों में भी संयम और आक्रामकता का बेहतरीन संतुलन दिखाया. निर्णायक मुकाबले में मिशेल का नौवां वनडे शतक न्यूजीलैंड की जीत की नींव साबित हुआ. इस पारी ने न केवल मैच का रुख बदला, बल्कि पूरी सीरीज को न्यूजीलैंड के पक्ष में कर दिया. हालांकि, इस मुकाबले में भारत की ओर से विराट कोहली ने भी शानदार बल्लेबाजी की. हार के बावजूद कोहली ने 108 गेंदों में 124 रनों की बेहतरीन पारी खेली, लेकिन उनकी यह कोशिश टीम को जीत तक नहीं ले जा सकी.